

हरिभूमि मिवाणी-दादरी मूमि

रोहताक, रविवार 8 फरवरी 2026

11 नशा नैतिक और चारित्रिक मूल्यों में गिरावट ...

12 विधायक ने लगाई अधिकारियों को फटकार ...



खबर संक्षेप

बिजली सप्लाई 10 से 6 बजे तक रहेगी बंद

भिवानी। सेक्टर 13 फीडर पर आठ फरवरी रविवार को आरडीएसएस स्कीम के चलते 11 केवी लाइन के तार बदलने का कार्य किया जाना है, जिसके चलते सेक्टर 13 फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र की बिजली सप्लाई सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक बंद रहेगी। जेई पवन कुमार ने बताया कि आठ फरवरी रविवार को तार बदलने का कार्य किया जाना है। इसके चलते सेक्टर 13 फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र की बिजली सप्लाई सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक बंद रहेगी।

सूरजकुंड क्राफ्ट फेस्टिवल 2026 में छात्र हुए शामिल

भिवानी। सेक्टर 13 स्थित चौ. बंसीलाल राजकीय बहुतकनीकी, भिवानी के फैशन डिजाइन और फैशन टेक्नोलॉजी के 40 छात्रों ने फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित 39वें अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर क्राफ्ट फेस्टिवल 2026 का शैक्षिक भ्रमण किया। प्राचार्य डॉ. गोता देवी के नेतृत्व में डॉ. कविता रानी (एचओडी, फैशन डिजाइन) और डॉ. सनी पन्नु (सिजनलर) भी साथ रहे। छात्रों ने विभिन्न हस्तशिल्प, डिजाइन और सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन किया। भ्रमण छात्रों के लिए प्रेरणादायक रहा और उन्हें भारतीय शिल्प कौशल को करीब से जानने का अवसर मिला।

615 ग्राम अफ्रीम सहित युवक को किया गिरफ्तार



चरखी दादरी। दादरी सीआईए स्टाफ ने 615 ग्राम अफ्रीम के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को दादरी सीआईए स्टाफ के एएसआई राजकपूर की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर युवक को दबिश देकर दबोच लिया। तलाशी लेने पर युवक के बैग से सफेद पोलोथिन में 615 ग्राम अफ्रीम बरामद हुई। आरोपी की पहचान बौन्द कलां निवासी अमित के रूप में हुई।

पराली से भरे ट्रक में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ॥ बहल
शुक्रवार रात को बहल से तोशाम रोड पर गोकलपुरा और कासनी गांव के बीच पराली से भरे ट्रक में आग लग गई। आग लगने से ट्रक में भरी पराली जलकर राख हो गई। गनीमत रही ट्रक ड्राइवर घटना में सुरक्षित बच गया। सूचना मिलने पर सिवानी से आई दमकल ने आग बुझाई। शुक्रवार रात को करीब एक बजे एक ट्रक ईशरवाल से बहल की तरफ आ रहा था। ट्रक जब गोकलपुरा और कासनी गांव के बीच पहुंचा तो अचानक से बंद हो

ग्रामीण विकास का आधार है स्वच्छता : सांसद धर्मबीर सिंह

माइनिंग फंड से 72 लाख रुपये की लागत से 24 गांवों को दिए स्मॉल ट्रेक्टर

हरिभूमि न्यूज ॥ मिवाणी
सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने गांवों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए शनिवार को पंचायत भवन में माइनिंग फंड से करीब 72 लाख रुपये की लागत से जिले के 24 गांवों को स्मॉल ट्रेक्टर भेंट किए। कार्यक्रम में सांसद ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि वे गांव को स्वच्छ और निर्मल बनाएं। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांवों और शहरों को स्वच्छ

सभी कॉमर्शियल बेल्टों में बनेंगे वॉशरूम, जल्द होगा काम शुरू

60 लाख रुपये की लागत से 7-8 वॉशरूम करवाए जा रहे हैं तैयार



20 साल के बाद जागा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण

भिवानी। सेक्टर 13 स्थित कॉमर्शियल बेल्ट जहां पर वाशरूम बनवाया जाएगा और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के पुराना बस अड्डा स्थित कॉमर्शियल मार्केट जहां पर सार्वजनिक वॉशरूम नहीं है। फोटो: हरिभूमि



भिवानी। सेक्टर 13 स्थित कॉमर्शियल बेल्ट जहां पर वाशरूम बनवाया जाएगा और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के पुराना बस अड्डा स्थित कॉमर्शियल मार्केट जहां पर सार्वजनिक वॉशरूम नहीं है। फोटो: हरिभूमि

20 साल पहले शहर में कई जगहों पर कॉमर्शियल बेल्टों का हुआ था निर्माण

हरिभूमि न्यूज ॥ मिवाणी
शहर के लोगों के लिए राहत भरी खबर। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (अब एचएसवीपी, पहले हुआ नाम था) अपने कॉमर्शियल बेल्ट में वॉशरूम बनाने जा रहा है। शहर की करीब 6 कॉमर्शियल बेल्टों में 60 लाख रुपये की लागत से 7-8 वॉशरूम तैयार करवाए जा रहे हैं। उक्त विभाग इन कॉमर्शियल बेल्टों में महिला व पुरुषों के लिए अलग अलग वॉशरूम तैयार

तत्कालीन सीएम मनोहर लाल से की थी फरियाद, अब जाकर बनी बात

वार्ड संख्या दो के पार्षद संदीप यादव व वार्ड संख्या 17 के पार्षद सुभाष तंवर ने सबसे पहले वर्ष 2024 में तत्कालीन सीएम मनोहर लाल के जनस्वयंसेवा कार्यक्रम में यह मांग उठाई थी और मांगपत्र दिया था। उसके बाद वे जिला स्तर पर लगने वाले समाधान शिबिरों में शिकायत रखते रहे। यहीं नहीं देखते पार्षदों ने एचएसएचवी के कार्यकारी अभियंता हिंसार के कार्यालय में ज्ञापन सौंपा और समस्या को विस्तार से रखा। करीब दो दर्जन बार इस मांग को लेकर अधिकारियों से मुलाकात व गुजारिश भी की। आखिर में दोनों पार्षदों की मेहनत ने रंग ला ही दिया।

यहां होगा निर्माण

सेक्टर-13 स्थित कॉमर्शियल बेल्ट में महिला व पुरुषों के लिए एक एक वॉशरूम का निर्माण करवाया जाएगा। इसी तरह टॉउन सेंटर, सेक्टर 26 के सौपिंग बेल्ट, पंचायत पॉकेट (रेडक्रास के सामने), अनाजमंडी टाऊनशिप तथा पुराना बस स्टैंड स्थित क्राउन प्लाजा में वॉशरूम बनवाने जागे का टेंडर जारी किया गया है। इन वॉशरूमों के निर्माण के बाद लोगों को बेहतर जगह उपलब्ध होगी।

टेंडर प्रक्रिया जारी

एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि मिवाणी की कॉमर्शियल मार्केट में पीयूसी (वाशरूम) का निर्माण करवाया जाएगा। प्रत्येक पीयूसी पर करीब 10 से 11 लाख रुपये की लागत आएगी। इसके निर्माण की टेंडर प्रक्रिया जारी है। टेंडर मार्केट में महिला व पुरुष के वॉशरूम अलग अलग तैयार करवाए जाएंगे। शहर के लोगों को इस मांग को सरकार ने पूरा कर दिया है।

छत्रपति शिवाजी की जयंती पर 19 को होगा राज्य स्तरीय शिव जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ॥ मिवाणी
महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती इस वर्ष गुरुग्राम में बेहद भव्य और राज्य स्तरीय स्वरूप में मनाई जाएगी। 19 फरवरी को गुरुग्राम के सेक्टर-31 स्थित कम्युनिटी सेंटर में होने वाले शिवजन्मोत्सव सोहला के लिए महाराष्ट्र मंडल, गुरुग्राम और हरियाणा ने कमर कस ली है। ट्रस्ट के महासचिव मराठा विनोद सिहाणे गुजरात में जारी प्रेस ब्यान में कार्यक्रम की रूपरेखा सांझा की। उन्होंने बताया कि उत्सव न केवल आयोजन है, बल्कि सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय

इंस्पेक्टिंग जज ने किया मिवाणी न्यायिक परिसर का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ॥ मिवाणी
पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश एवं मिवाणी के इंस्पेक्टिंग जज संदीप मुद्गिल ने शनिवार को मिवाणी न्यायिक परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने न्यायिक एवं जिलाधिकारियों तथा बार में अधिवक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने विशेषकर पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि न्यायिक परिसर-लघु सचिवालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी की जाए। भविष्य में यहां पर गोलीबारी की घटना नहीं होनी चाहिए। न्यायिक परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में अधिकारियों को निर्देश देते हुए माननीय न्यायाधीश संदीप मुद्गिल ने कहा कि मिवाणी को छोटी काशी और खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक पाने के लिए जाना जाता है। यहां अपराध की वारदात नहीं होनी चाहिए। उन्होंने न्यायालय में न्याय के लिए आते हैं और सचिवालय में अपने अन्य जरूरी सरकारी कार्य के लिए आते हैं, यहां पर लोग सुरक्षित महसूस होने चाहिए। यहां आने में लोगों को भय नहीं लगना चाहिए। न्यायिक परिसर और लघु सचिवालय परिसर के कम से कम 100 मीटर के दायरे में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद होनी चाहिए। अधिकारियों की बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने न्यायाधीश को ड्राइंग के माध्यम से न्यायिक एवं लघु सचिवालय परिसर के भवन एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए आश्चर्य किया। इस दौरान सेशन जज डीआर चालिया, डीसी साहिल गुप्ता, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार, मिवाणी के एसडीएम महेश कुमार, तोशाम के एसडीएम प्रदीप अहलावत, सिवानी से एसडीएम विजया मलिक, नगराधीश अनिल कुमार, जिला बार प्रधान संदीप शर्मा सहित अनेक न्यायिक अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

सूर्य नमस्कार अभियान सभी के लिए अति आवश्यक : गजानंद

हरिभूमि न्यूज ॥ बवानीखेड़ा
आज के भौतिक भाग दौड़ भरे जीवन में हमारा स्वास्थ्य अच्छा रखना बहुत मुश्किल हो गया है केवल दैनिक योग को ही दिनचर्या का हिस्सा बनाकर हम स्वस्थ रह सकते हैं। जिला मिवाणी आयुर्वेद अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा जिला योग कॉर्डिनेटर डॉ. संजय वैद जिला योग विशेषज्ञ डॉ. निशा खड्ग के मार्गदर्शन में आयुष योग सहायक गजानंद कौशिक ने थाना बवानी खेड़ा के प्रांगण में जिला प्रशासन के सहयोग से उपस्थित थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने बताया कि हमें ताप प्रखरता के साथ स्वस्थ रहकर हम सभी आप जानता की सेवा सुरक्षा करते रहें।

चोरों ने धर्मकांटे और होटल को बनाया निशाना, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ॥ बहल
वीरवार रात को चोरों ने झुंघा रोड पर स्थित एक धर्मकांटा व राजगढ़ रोड पर एक होटल में चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए सामान व नगदी चुरा ली। धर्मकांटा के मालिक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों की शिकायत में पातवान निवासी जगदीश सिंह ने बताया कि झुंघा रोड पर उसका धर्मकांटा है और साथ ही परचून के सामान को दुकान है। वीरवार की सुबह करीब 5:30 से 6 बजे के बीच सफेद रंग की गाड़ी में आए चोरों ने उसके धर्मकांटा से मशीनों का सामान, जैक,

नाथुवास में तीन एकड़ में फैली अवैध कॉलोनी से हटाए कब्जे

हरिभूमि न्यूज ॥ मिवाणी
नगर योजनाकार विभाग द्वारा उपायुक्त साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार मौजा नाथुवास में अवैध निर्माण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान विभाग ने भिवानी-महम रोड से पालवास रोड पर तीन एकड़ में फैली एक कॉलोनी से अवैध निर्माण को हटाया। जिला नगर योजनाकार अधिकारी नरेन्द्र नैन ने बताया कि ड्यूटी मजिस्ट्रेट कार्यकारी अभियंता दयानंद रोहिला व पुलिस बल की मौजूदगी में मौजा नाथुवास में लगभग तीन एकड़ में फैली एक अवैध कॉलोनी से 18 डीपीसी, दो अवैध निर्माण, दो चार दीवारी, लगभग 450 आरएमटी, कच्चे रोड नेटवर्क को तोड़ा गया।

भिवानी। गांवों के स्वच्छता अभियान को गति देने के लिए पंचायतों को ट्रैक्टर देकर रवाना करते सांसद।

ये रहे मौजूद
कार्यक्रम में गाजपा जिलाध्यक्ष किरेंद्र कौशिक, एडवोकेट हरि सिंह सांगवान, अमर सिंह हाजुवांसिया, शीशराम चेरकरमैन, दिलखान नीमड़ी, पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र भोलू सुनील भारीवास, रामकिशन हलवांसिया, पंकज कौशिक, कार्यकारी अभियंता संभव जैन सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इसके साथ ही उन्होंने पानी को व्यर्थ न बहाने का भी संदेश देते हुए कहा

कि पानी की एक-एक बूंद कीमती है। सांसद ने महिला स्वयं सहायता समूहों की मदद करने और प्राकृतिक खेतों को अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांवों को दिए जा रहे ट्रैक्टरों का स्वच्छता कार्य में जरूर प्रयोग करें। स्वच्छता की शुरुआत भले ही किसी एक मोहल्ले से शुरू करें, लेकिन अपने पूरे गांव को स्वच्छ बनाएं। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक भिवानी, दादरी और महेंद्रगढ़ जिले में 200 ट्रैक्टर और दिए जाएंगे।

नगर योजनाकार विभाग द्वारा उपायुक्त साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार मौजा नाथुवास में अवैध निर्माण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान विभाग ने भिवानी-महम रोड से पालवास रोड पर तीन एकड़ में फैली एक कॉलोनी से अवैध निर्माण को हटाया। जिला नगर योजनाकार अधिकारी नरेन्द्र नैन ने बताया कि ड्यूटी मजिस्ट्रेट कार्यकारी अभियंता दयानंद रोहिला व पुलिस बल की मौजूदगी में मौजा नाथुवास में लगभग तीन एकड़ में फैली एक अवैध कॉलोनी से 18 डीपीसी, दो अवैध निर्माण, दो चार दीवारी, लगभग 450 आरएमटी, कच्चे रोड नेटवर्क को तोड़ा गया।

भिवानी। अवैध कॉलोनी में निर्माण दहाती जैसीबी।
गया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा अवैध निर्माण की जानकारी जुटाई जा रही है और इसको हटाने का यह अभियान जारी रहेगा। इस दौरान लोगों को इस बारे जागरूक किया गया कि वे जिला में सरकारी जमीन पर कहीं भी, नियंत्रित क्षेत्र एवं अनुसूचित सड़कों की हरित पट्टी व अनाधिकृत कॉलोनी में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण न करें।

कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10-12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत



बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लागाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेश: 5,500 रुपये
- सालाना निवेश: 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में): लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न: लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस: लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाना है। आपकी बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6-15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर
कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अभी बचने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरूआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरूआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित | हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं | कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रफ्या लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।



कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश क्यों करें
■ नियमित और अनुशासित निवेश: एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
■ कम रकम से शुरूआत: 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
■ रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभ: बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज वृद्धि।
■ विविधीकरण और कम लाभ: म्यूचुअल फंड के जरिए जोखिम कम और इंप्लेक्सस के माध्यम से टेक्स में बचत।

एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। एकफडी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती है, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकते हैं। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरूआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपके लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

- 1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)**
बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।
फायदे: पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दर देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।
- 2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी**
यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।
फायदे: जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।
- 3. रिटर्निंग डिपॉजिट (आरडी)**
अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।
फायदे: छोटी रकम से शुरूआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी वाले वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।
- 4. डेट म्यूचुअल फंड**
डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।
1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरी: शॉर्ट ट्रेजरी बॉन्ड फंड, मनी मार्केट फंड, लो डायरेक्शन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।
- 5. लिक्विड फंड**
लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
फायदे: 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसे को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।
- 6. कॉर्पोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट**
कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।
ध्यान रखें: कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।

इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल
कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह आपकी कमाई की सुरक्षा करके होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।
नई रिटर्न से खुलेंगे नए रास्ते
आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्क्रिप्ट्स आज काम की हैं, जल्दी नहीं की कल भी उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई रिटर्न से आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर प्रोफेशनल मौके भी मिल सकते हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।
लाइफटाइम और कमाई में संतुलन जरूरी
कमाई बढ़ाने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी अशुभ रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ाने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी तो पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

एसआईपी की जल्दी शुरूआत करें
बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरूआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपका कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

समय के साथ निवेश में बदलाव
कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंट्रस्ट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।

केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान
अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे: हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटेरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंट्री एजाम फीस, इंटरनेट और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रेवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाने समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।



बिजनेस डेस्क

एजुकेशन लोन को पूरी तरह न नकारें
कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

एजुकेशन लोन के लाभ
■ रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखता है
■ एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
■ टेक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
■ पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
■ हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।
लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं
बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत
बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता-पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक शांति देती है।

महाशिवरात्रि पर्व पर कलियाणा गांव में शिव संदेश यात्रा निकाली नशा नैतिक और चारित्रिक मूल्यों में गिरावट का कारण : वसुधा

जरो से दूर रहकर व्यक्ति अपना चरित्र उज्ज्वल, सबल एवं जीवन को सफल बना सकते हैं

हरिभूमि न्यूज़ | चरखी दादरी

नशा नैतिक और चारित्रिक मूल्यों में गिरावट का कारण है। नशे से दूर रहकर व्यक्ति अपना चरित्र उज्ज्वल, सबल एवं जीवन को सफल बना सकते हैं। यह उद्धार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोजुकला-कादमा शाखा के तत्वावधान में मेरा भारत नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत महाशिवरात्रि पर्व पर कलियाणा गांव में शिव संदेश यात्रा द्वारा लोगों को नशा मुक्त रहने की शपथ दिलाते हुए राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने लोगों को राजयोग मेडिटेशन करने व नशा व अन्य तमाम व्यसनों से दूर रहने की दृढ़ प्रतिज्ञा कराते हुए कहा कि हम समाज की उन्नति चाहते हैं तो आध्यात्मिकता से नशे की लत से बचकर जीवन को नींव को मजबूत बनाया है। ब्रह्माकुमारी नीलम बहन ने तमाम नशीलों लत वाली चीजों जैसे बीड़ी, सिगरेट, शराब, मोबाइल, इंटरनेट, तंबाकू, सुपारी,

खैनी आदि से मुक्त होकर जीवन सक्षम व सफल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा अध्यात्म से आत्मबल बढ़ाना है धैर्य, त्याग, समर्पण सिखा समाज का सर्वांगीण विकास करना होगा। झोजुकला सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कहा कि राजयोग के माध्यम से मन में ईद्रियों को संयमित रखना जरूरी है फिर नशे की लत से मुक्ति संभव है। गांव में शिव संदेश यात्रा निकाल परमपिता परमात्मा शिव के दिव्य संदेश के साथ-साथ गीतों, नारों से नशा मुक्त गांव बनाने की अपील की।



चरखी दादरी। शिव संदेश यात्रा से लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करती ब्रह्माकुमारी बहन। फोटो : हरिभूमि

मंदोली से पातुवास तक गूंगा वेदों का संदेश

स्कूलों में स्वामी सच्चिदानंद ने फूकी संस्कारों की ऊर्जा

हरिभूमि न्यूज़ | चरखी दादरी

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के तत्वावधान में जारी 'वेद प्रचार, नशामुक्ति एवं पर्यावरण शुद्धि यज्ञ यात्रा मंदोली से पातुवास तक के क्षेत्र में भक्ति और शक्ति का संचार कर गई। वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी सच्चिदानंद के नेतृत्व में यह यात्रा आज बलकरा, मौड़ी और खेड़ी सनवाल होते हुए पातुवास पहुंची। यात्रा के दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में प्रसिद्ध भजनोपदेशक रामनिवास आर्य आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने अपनी बुलंद आवाज और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत भजनों के माध्यम से विद्यार्थियों और आमों में नई ऊर्जा फैलाने का प्रयास किया। उन्होंने के जरिए नशे की बुराईयों पर तीखा प्रहार किया और युवाओं को ऋषि दयानंद व महान क्रांतिकारियों के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उनके भजनों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि समाज को कुरीतियों के विरुद्ध खड़े होने का एक सशक्त संदेश भी दिया, जिससे प्रभावित होकर



हजारों विद्यार्थियों ने बुराईयों को त्यागने का संकल्प लिया इस अवसर पर स्वामी सच्चिदानंद ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि आज के आधुनिक दौर में तकनीक के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का होना अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि नशा व्यक्ति के विवेक को मार देता है, जबकि अनुशासन उसे महानता की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि जिस विद्यार्थी का खान-पान शुद्ध है और जिसका मन अपने लक्ष्य पर एकाग्र है, उसे दुनिया की कोई ताकत सफल होने से नहीं रोक सकती।

गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष शिविर का आयोजन

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों में सामाजिक आधारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम एडीसी के मार्गदर्शन के अनुसार पोषण संबंधित स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुपरवाइजर प्रमिला ने की। उन्होंने बताया कि हरी पत्तेदार सब्जियों का गर्भवती महिलाओं के लिए क्या क्या योगदान है वहीं उन्होंने स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के बारे में भी जागरूक किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए स्तनपान व अन्य महत्व के बारे में भी जागरूक किया।



गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष शिविर का आयोजन। फोटो : हरिभूमि

गुरु रविदास ने हमें दिखाई मानवता की राह: चरणदास

सेवा को अपना धर्म और संस्कारों को अपना आधार बनाकर ही सभ्य समाज की संरचना संभव : चरणदास

हरिभूमि न्यूज़ | मिवानी

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हनुमान ढाणी स्थित प्रसिद्ध हनुमान जोहड़ी मंदिर में पिछले सात दिनों से जारी सामाजिक सेवा एवं संस्कार सप्ताह का शनिवार को भव्य समापन हुआ। बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस सात दिवसीय कार्यक्रम ने ना



मिवानी। समाज में फैली बुराईयों को मिटाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

केवल धार्मिक आस्था, बल्कि सामाजिक चेतना की भी एक नई अलख जगाई। कार्यक्रम के अंतिम दिन पूर्णाहुति के साथ हवन-यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने विश्व शांति और समाज कल्याण की आहुति दी। सात दिनों तक चले इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं और बच्चों में नैतिक मूल्यों का संचार करना और महापुरुषों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना रहा। बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने कहा कि किसी भी राष्ट्र और समाज की उन्नति केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र और संस्कारों से होती है। संत

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गौसेवक मुकुन्द दाम महाराज, डा. ओमवीर कौशिक, विजय सिंहमगर, मनोज कुमार, धर्मावीर, दिलशाबा फोरमैन, हवा सिंह प्रधान, बालू सिंह, गुलशन कुमार एक्सआई, विक्रम कांगड़ा, आशुतोष, गौरव, सुदेश, आशा, सोनिया, अशिका, संगीता, पुष्पा, स्नेहलता, ममता, सिरता, सोनली, रीनु, ललित, वर्षा, महक, लक्की सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

शिरोमणि गुरु रविदास ने हमें मानवता, समानता और सेवा का जो मार्ग दिखाया है, वह आज के समय में और भी प्रासंगिक हो गया है।

मिवानी में गुंजेंगे खाटू श्याम के जयकारे 37वां श्री श्याम दर्शन मेला आज

मिवानी। छोटी काशी मिवानी एक बार फिर भक्ति के रंग में सराबोर होने के लिए तैयार है। श्री श्याम सरोवर मंडल मिवानी द्वारा आगामी 8 फरवरी रविवार को बाबा खाटू श्याम का 37वां विशाल श्री श्याम दर्शन मेला स्थानीय नई अनाज मंडी में आयोजित किया जा रहा है। इस मध्य धार्मिक आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी देते हुए प्रधान विनोद भगत ने बताया कि मेले का मुख्य आकर्षण देश के सुप्रसिद्ध मजनों के कलाकारों द्वारा दी जाने वाली प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम में अपनी मधुर आवाज से बाबा को रिहाने के लिए किर्लोस्की कलाकार शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कलाकार आगरा से राजू बावरा अपनी सुरीली आवाज और मावपूरी मजनों के लिए महेश्वर राजू बावरा इस शाम को यादगार बनाएंगे। वहीं दिल्ली से नितीश शर्मा निक्की सिंघाते नितीश शर्मा अपनी उज्ज्वल गायकी से मत्कों को झूमने पर मजबूर कर देंगे। इसके अलावा उमरावसिया दीपक गौड़ अपनी पारंपरिक और शास्त्रीय शैली के मेल से भक्ति रस की वर्षा करेंगे। इसके अलावा छोटी काशी मिवानी से निखिल अगवाल भी अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वयं विनोद भगत द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने सभी श्याम प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें और इस दिव्य संकीर्ण का आनंद उठाएं। मेले में मत्कों की भारी मौड़ को देखते हुए सुरक्षा और अनुशासन के विशेष प्रबंध किए गए हैं।

पोर्टल की भेंट चढ़ी बुजुर्गों की पेंशन

सोची-समझी रणनीति के तहत प्रदेश के लाखों पात्र लाभार्थियों की बुढ़ापा पेंशन रोक दी

हरिभूमि न्यूज़ | मिवानी

कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप जोगी ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत प्रदेश के लाखों पात्र लाभार्थियों की बुढ़ापा पेंशन रोक दी है और राशन कार्ड काट दिए हैं। जोगी ने इसे गरीब विरोधी और बुजुर्गों का अपमान करार दिया है। प्रदीप जोगी ने कहा कि सरकार फैमिली आईडी के माध्यम से आय के गलत आंकड़े दिखाकर बुजुर्गों को पेंशन रोक रही है। उनके अनुसार जिन बुजुर्गों के बच्चे अलग रहते हैं या जिनकी आय का कोई साधन नहीं है, उनकी आय भी जबरन 3 लाख रुपये से अधिक दिखाई जा रही है ताकि उनकी पेंशन काट दी जा सके। यह तानाशाही है। उन्होंने आरोप लगाया कि

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 के दौरान हरियाणा में लगभग 11 लाख से अधिक राशन कार्ड काटे गए। वहीं प्रदेश भर में हजारों बुजुर्गों की पेंशन आय सीमा के नाम पर रोक दी गई है। उनके अनुसार यह आंकड़ा 5 लाख के पार हो सकता है। प्रदीप जोगी ने कहा कि अक्टूबर 2024 में कार्डों की संख्या 51.72 लाख थी, जो 2025 के अंत तक घटकर लगभग 40.69 लाख रह गई। जोगी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कटे हुए राशन कार्ड और रोक दी गई पेंशन को तुरंत बहाल नहीं किया, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने मांग की कि परिवार पहचान पत्र की खामियों को दूर किया जाए और सत्यापन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप जोगी ने कहा कि पेंशन व राशन कार्ड बुजुर्गों व जरूरतमंद लोगों के लिए जीवन यापन का बहुत बड़ा सहारा है, जिसे काटकर सरकार उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने का काम कर रही है, जिसे कांग्रेस कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

राजान पाना से पुराना बस स्टैंड तक निकाली शिव की बारात

मिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय दिव्य भवन रुद्रा कॉलेजी की ओर से शिवरात्रि महापर्व के उपलक्ष्य में शिवरात्रि महोत्सव की श्रृंखला चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत मिन्न-मिन्न स्थानों पर पहुंचकर परमात्म संदेश देकर



मिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय दिव्य भवन रुद्रा कॉलेजी की ओर से शिवरात्रि महापर्व के उपलक्ष्य में शिवरात्रि महोत्सव की श्रृंखला चलाई जा रही है। फोटो : हरिभूमि

आत्माओं को जागृत करने का शुभ कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज राजानपाना से लेकर बर्तन बाजार होते हुए पुराना बस स्टैंड तक शिव की बारात निकाली। बाँके रजनी देवीजी ने शिव की बारात के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट करते हुए बताया कि शिव की बारात में देवता, दानव, भूत, प्रेत, चुड़ैल, पशु, पक्षी व शिवगण भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि ये सब उस समय की दर्शाते हैं जब पुरानी सृष्टि परिवर्तन हो गई सृष्टि बनती है। इससे पूर्व जब आत्माएं अपने घर परमाधाम वापस आती हैं, उस समय कुछ आत्माएं देवी गुणों से परिपूर्ण होकर परमपिता परमात्मा शिवबाबा के साथ वापस जाते हैं तो कुछ ऐसे भी आत्माओं को परमपिता परमात्मा पतित से पवन बनाकर अपने साथ ले जाते हैं जो आसुरी गुणों वाले थे। शिवरात्रि पर शिव ध्वजारोहण कर परमपिता परमात्मा को अपनी बुराईयों अर्पण कर अपने नैतिक गुण धारण करने का आह्वान किया और वंशा छोड़ने के लिए प्रतिज्ञा भी कराई गई।

बाबा कमाल झील की होगी सफाई पक्षी विहार का निर्माण कार्य होगा शुरू

पक्षी विहार पर सात लाख, योग श्रेड पर 5 लाख रुपये आएका खर्च हरिभूमि न्यूज़ | बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा बाबा कमाल पर्यटन स्थल अपनी बदहाली के आंसू बहा रही नहीं पाई। क्योंकि इसमें कभी प्रशासन द्वारा सुध ली जाएगी। हालांकि पहले इस स्थान पर जोहड़ होता था और सैंकड़ों पशु पालकों द्वारा अपने पशुओं का यहां पानी पिलाने सहित अन्य कार्य में प्रयोग किया जाता था लेकिन इसके स्थान पर तीन करोड़ी झील ने रूप ले लिया शुरू में बिजली की चमक लगी व लोगों ने यहां घूमना शुरू कर



दिया लेकिन ये झील कभी झील बन ही नहीं पाई। क्योंकि इसमें कभी पानी डाला नहीं गया लोगों द्वारा बार बार इसको लेकर विधायक कपूर वाल्मीकि व चेयरमैन सुंदर अत्री से शिकायत की जिसको लेकर नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री, एमई पंकज गर्ग, जेई मदीप कुमार एवं सम्बन्धित अधिकारियों ने झील का मुआयना किया। अध्यक्ष सुंदर अत्री ने बताया कि बाबा कमाल झील शहर की शान है। जल्द ही झील की सफाई करवाई जाएगी, झील में पक्षियों के लिए पक्षी विहार का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया, जिस पर लगभग 7 लाख रुपये की लागत आएगी। कस्बावासियों को जल्द ही झील में योग करने के लिए एक श्रेड का निर्माण करवाया जाएगा। जिसके लिए लगभग 5 लाख रुपये की लागत आएगी।

एमएनएस राजकीय महाविद्यालय में तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का समापन

कक्षा-शिक्षण को बनाना होगा सुगम और रोचक: प्राचार्य

प्राध्यापक वर्ग को सकारात्मक शैक्षिक वातावरण करना होगा तैयार : प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज़ | मिवानी

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य प्राध्यापक वर्ग को समकालीन शिक्षण प्रविधियों से परिचित कराते हुए कक्षा-शिक्षण को अधिक प्रभावी, सुगम और रोचक बनाना था। समापन दिवस पर विषय विशेषज्ञ संजल मिश्र तथा प्रीति थापा ने कक्षा-शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर विस्तृत व्याख्यान दिए। अपने व्याख्यान में विशेषज्ञों ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में शिक्षण



मिवानी। कार्यक्रम में स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मुख्य अतिथि डा. त्रिलोकचन्द ने कहा कि विश्व में तीव्र गति से हो रहे परिवर्तन के बीच नैतिक मूल्यों से जुड़ाव बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति तभी सार्थक है, जब उसकी साथ ही मानवीय संवेदनशीलता और नैतिकता भी जुड़ी हो। सीखने की प्रक्रिया में ध्यानपूर्वक सुनना, विचारों को आत्मसात करना और

उन्हें व्यवहार में उतारना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्राध्यापकों को आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कार भी प्रदान करें। संकाय विकास कार्यक्रम के संयोजक डा. अजीत कुमार ने अपने विचार रखते हुए कक्षा-शिक्षण में प्रायोगिक शिक्षाशास्त्र और शिक्षण एकीकरण के महत्व पर प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक गतिविधियों का समावेश शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाता है। विषयों के आपसी एकीकरण से विद्यार्थियों में समग्र दृष्टिकोण विकसित होता है, जो उनके बौद्धिक विकास में सहायक है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कार्यशाला के सह-संयोजक सुरेन्द्र कुमार और डा.

नीलगाय को बचाने के प्रयास में कैपर गाड़ी पलटी, चालक की मौत

गाड़ी में सवार कुल चार युवकों में से दो घायलों को हायर सेंटर रेफर किया, एक सुरक्षित बचा

हरिभूमि न्यूज़ | कनीना

कनीना-अटेली सड़क मार्ग पर पडतल गांव के समीप बीती रात्रि घटित सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जिसकी पहचान चलावास वासी नीरज 25 वर्ष के रूप में हुई है। चलावास निवासी संदीप ने कनीना सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुकवार सायं करीब साढ़े छह बजे नीरज, आशीष उर्फ तरुण, कौशल व देवेंद्र वासीनी चलावास कैपर गाड़ी में सवार होकर भोजवास से अपने गांव की ओर आ रहे थे। पडतल के समीप पहुंचते तो सड़क पर आई



नीलगाय को बचाने के इत्फाकिया प्रयास में कैपर गाड़ी पलट गई। कैपर को नीरज चला रहा था। गाड़ी में सवार व्यक्तियों को चोटें लगीं। जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से उप नागरिक अस्पताल कनीना में दाखिल कराया, जहां चिकित्सकों ने नीरज को मृत घोषित कर दिया जबकि आशीष उर्फ तरुण व कौशल का उपचार कर हायर सेंटर रेफर कर दिया।

खबर संक्षेप

मेयर रामअवतार का किया अभिनंदन

भिवानी। रोहताक के मेयर रामअवतार वाल्मीकि का गांव तिगड़ाना पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार नागरिक अभिनंदन किया। उन्होंने गांव की धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए बाबा लटाधारी के चरणों में मल्टा टेका और आशीर्वाद लिया। गांव के बुजुर्गों और नौजवानों ने मेयर का फूल-मालाओं, पगड़ी पहनाकर व शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। रामावतार ने ग्रामीणों के साथ अपने पुराने और गहरे रिश्ते का जिक्र करते हुए बताया कि तिगड़ाना उनका ससुराल है। करीब 26 साल पहले उनकी शादी इस गांव में हुई थी, आज जिस गर्मजोशी से बुजुर्गों और युवाओं ने मेरा स्वागत किया है, उसने मेरी शादी की यादें ताजा कर दी हैं। इस अवसर पर बिचला मंदिर के महंत बाबा विनोद नाथ व मंदिर के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस अवसर पर बिचला मंदिर के महंत बाबा विनोदनाथ, अजय वेद, सुबेदार मुकेश, अनिल परमार, कुलदीप तंवर, बाबा सिंबल, रिकल तंवर, सोमवीर वाल्मीकि व सागर वाल्मीकि आदि मौजूद थे।

खुले दरबार में बिजली-पानी की समस्याओं का लगा अंबार

विधायक ने लगाई अधिकारियों को फटकार, प्राथमिकता से करें समाधान

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

शनिवार को बवानीखेड़ा रैस्ट हाऊस में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के खुले दरबार में हलके में बिजली के लटकते तार, पानी की समस्याओं सहित अनेक समस्याएं छाई रही। विधायक कपूर वाल्मीकि ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी तरह की कोताही व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। अधिकारी लोगों की समस्याएं व सरकार की घोषित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करवाए। ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। विधायक के खुले दरबार में करीब ढाई सौ शिकायतें मिलीं। जिनमें से संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन पर सूचित करके अधिकांश समस्याओं का निराकरण करवा दिया।



बवानीखेड़ा। लोगों की समस्याएं सुनते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि तथा समस्याएं सुनने के बाद अधिकारियों को निर्देश देते हुए।



फोटो: हरिभूमि

लटकते तारों की आई समस्या

विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के खुले दरबार में ज्यादातर कस्बे में बिजली के लटकते तार व बाहरी कॉलोनीयों में पेयजल सपलाई की पाइप लाइन्स न होने की शिकायत आई। आसपास के गांवों में पेयजल की सपलाई नियमित की मांग खुले दरबार में उठाई गई। कई जगहों पर बिजली के तारों की लाइन्स बिजनेस की मांग गई। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने लोगों की शिकायतें व समस्याएं सुनने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि विकास कार्यों में किसी तरह की कोटाई व कोटाई व कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अगर अनियमितता बरती तो उनकी शिकायत सीएम कार्यालय में की जाएगी।

क्या कहते हैं विधायक

इस बारे में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बताया कि आज हलके के लोगों की समस्याओं के निराकरण को लेकर रैस्ट हाऊस में खुला दरबार का आयोजन किया गया था। जिसमें करीब ढाई सौ से तीन सौ शिकायतें पहुंचीं। जिनमें सुनने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल हल करने के निर्देश दिए हैं। ताकि लोगों को समस्याओं को लेकर बार बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़े। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकार व सीएम नायाब सैनी की घोषणाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करवाए। ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं का फायदा मिल सके।

रक्तदान कर बचाई दो जिंदगियां, देवदूत बनकर आए युवा पर्यावरण विवज प्रतियोगिता में यशिका प्रथम

आपातकालीन स्थिति में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना सबसे बड़ा पुण्य: डुडेजा

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

शहर में मानवता और ईंसानियत की एक मिसाल उस समय देखने को मिली जब गर्भवती महिला और एक मासूम बच्चे को जीवन और मौत के बीच जूझते देख क्षेत्र के जागरूक युवा मदद के लिए आगे आए। अस्पताल में रक्त की सख्त जरूरत होने पर इन युवाओं ने न केवल समय पर रक्तदान किया, बल्कि समाज को ये संदेश भी दिया कि रक्तदान ही सबसे बड़ा दान है। जानकारी अनुसार भिवानी के एक स्थानीय अस्पताल में उपचारार्थी गर्भवती महिला और छोटे बच्चे की हालत



भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते रक्तवीर राजेश डुडेजा।

नाजुक बनी हुई थी। डॉक्टरों ने तत्काल एबी पॉजिटिव और बी

कार्यकर्ताओं और रक्तदाताओं तक पहुंची, युवाओं की टोली तुरंत अस्पताल पहुंची। रक्तदान करने वालों में डॉ. नरेंद्र सिंह, सुनील कुमार, ऋषिपाल, सतीश कुमार, मंदीप सिंह व बंटी शामिल थे, इन युवाओं ने बिना समय गंवाए रक्तदान किया, जिससे समय रहते दोनों मरीजों को नया जीवन मिल सका। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया। उन्होंने हर स्वस्थ युवा से अपील की कि आप नियमित अंतराल पर रक्तदान करें, क्योंकि आपका थोड़ा सा प्रयास किसी का उजड़ता संसार बसा सकता है।

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

हलवासिया विद्या विहार के प्राथमिक विभाग में एनवायरमेंटल स्टडी विवज प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल पांच सन, मून, अर्थ, ओशन व माउंटन टीमों का गठन किया। प्रत्येक टीम में पांच-पांच विद्यार्थी शामिल थे। सभी टीमों ने पर्यावरण एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्नों के सुंदर, सटीक व आत्मविश्वासपूर्ण उत्तर दिए। दर्शकों के रूप में बैठे विद्यार्थियों ने कुछ प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रस्तुति दर्ज करवाई,



भिवानी। शिक्षकों के साथ विजेता विद्यार्थी।

जिससे ये कार्यक्रम और अधिक सौम्या, रक्षित, नीरव व याशिका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के

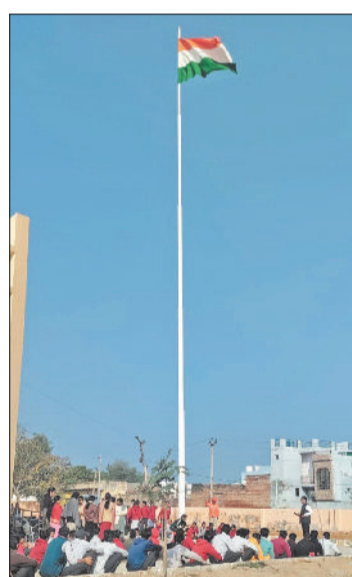
ये रहे मौजूद

इस अवसर आचार्य रेनु, अनु चौधरी, पूजा शर्मा, मेधा, रुचि, अनुराधा अंजुला, आचार्य दानवीर राणा व महेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्राचार्य और प्राथमिक विभाग प्रमुख वीणापाणि महता अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्य ने कहा कि पर्यावरण प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, तार्किक सोच, टीम भावना और सामान्य ज्ञान को बढ़ाने में सहायक होती है।

प्रदेश सरकार ने गुजरानी स्कूल में लगाया 100 फीट का तिरंगा

भिवानी। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा गांव गुजरानी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 100 फुट का तिरंगा लगाया, जिसका सफेद रेनु प्राचार्य शमशेर सिंह, मिडल हेड विकास व गांव के गणमान्य व्यक्तियों ने तिरंगा फहराया तथा तिरंगे को सलामी देकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। ग्रामीणों ने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गौरव की बात है कि गांव के स्कूल में प्रदेश व केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय ध्वज लगाया है। तिरंगा ध्वज की रक्षा के लिए थल सेना, वायु सेना व जल सेना के जवान अपनी जान की बाजी लगा देते हैं। हमें राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर उमाजसेवी पूर्व पटवारी महावीर सिंह, मनीराम, हंसराज, पूर्व पंच सुरेन्द्र कुमार, सेवानिवृत्त सुबेदार हवालदार, पूर्व सैनिक बलदेव सिंह, शिवकुमार शर्मा, सुकेश लडवाल, पूर्व सैनिक धर्मद, अमित सिंह लडवाल, अकिंत व कर्मबीर लडवाल आदि उपस्थित रहे।



ऐतिहासिक हड़ताल की तैयारी

निजीकरण और टेका प्रथा के खिलाफ 12 को सड़कों पर उतरेंगे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

प्रदेश में कच्चे कर्मचारियों के नियमितकरण और निजीकरण की नीतियों के विरोध में 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर कर्मचारियों में भारी उत्साह और आक्रोश है। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला सचिव धर्मबीर सिंह भाटी ने इस हड़ताल को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान करते हुए सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है। इस मौके पर धर्मबीर सिंह भाटी ने बताया कि उच्च न्यायालय ने 23 दिसंबर 2025 और 31 दिसंबर 2025 को प्राकृतिक न्याय पर आधारित ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने आदेश दिए थे कि वर्ष 1993,

1996, 2003 और 2011 की नीतियों के अंतर्गत आने वाले सभी कच्चे कर्मचारियों को तुरंत नियमित किया जाए। 31 दिसंबर 2025 तक जिन कर्मचारियों ने 10 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है, उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, भले ही वे पिछली नीतियों में शामिल न हों। यदि विभाग में पद खाली नहीं हैं, तो नए पद सृजित किए जाएं। साथ ही, वेतन निर्धारण कर बकाया एरियर का भुगतान 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ किया जाए। भाटी ने अफसोस जताते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के पक्ष में 2017 में आए आदेशों को भी सरकार ने आज तक लागू नहीं किया है, जिससे कर्मचारियों में नारा असंतोष है।

मांग जिले के प्राथमिक शिक्षकों की विभिन्न मांगों को उठाया

मांगों को लेकर अध्यापकों ने बवानीखेड़ा और लोहारू के विधायकों को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ►► लोहारू

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ भिवानी ने जिला प्रधान भूपेंद्र चाहर की अगुवाई में बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि को व लोहारू विधायक के प्रतिनिधि को प्राथमिक शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक मांगपत्र सौंपा गया। जिसमें जिले के प्राथमिक शिक्षकों की विभिन्न मांगों को उठाया गया।



लोहारू। मांगों को लेकर विधायक आवास पर ज्ञापन सौंपते हुए।

जिला प्रधान भूपेंद्र चाहर व महासचिव सुमित शर्मा ने बताया कि प्राथमिक शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण पिछले नौ वर्ष से नहीं हुई है वह अतिशीघ्र किये जायें। नई स्थानांतरण नीति में प्रत्येक विद्यालय में 5 वर्ष और खंड में 15 वर्ष की जो बाध्याता निर्धारित की

गई है। उसमें उन शिक्षकों को छूट दी जाए जो उसी खंड में रहना चाहते हैं और उनके लिए उस खंड के विकल्प खोले जाएं। यदि वह अध्यापक अंकों के आधार पर इस खंड में पात्र होता है, तो उसे उसी खंड में

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राज्य सह सचिव शोभित सांगवान, पूर्व जिला प्रधान सुरेंद्र सूर, जिला सह सचिव सुनील, संगठन सचिव कृष्ण मलिक, लोहारू खंड प्रधान अनूप जांगडा, खंड सचिव बलवान खरडिया, बवानी खेड़ा प्रधान सुनील दत्त, संजय धनान, विजय पुर सहित अनेकों प्राथमिक अध्यापक मौजूद रहे।

अपने गृह क्षेत्र में सेवा करने का अवसर मिल सके। कर्मचारियों पर आश्रित माता-पिता एवं अन्य परिवार जनों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए निर्धारित 42000 की आय सीमा को समाप्त किया जाए। ताकि गंभीर बीमारी की स्थिति में कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिल सके।

In Loving Memory of
Smt. Ram Bhateri
1938 - 05 February 2026

With deep sorrow and heavy hearts, the Gehlawat family informs the peaceful passing of Smt. Ram Bhateri, aged 88, on February 5, 2026.

'Born in Village Kultana, Haryana, she embraced the values of strength, grace, and devotion from a young age. She married Sepoy Dhoop Singh of 6 MATHAR Regiment, a courageous martyr and war hero of the 1962 conflict. At the tender age of 25, she became a war widow, tasked with nurturing their 8-month-old son. As the brave wife of a soldier who sacrificed his life for the nation, she shouldered her responsibilities with remarkable courage and quiet resilience. Her life stood as a testament to sacrifice, dignity, and unwavering patriotism.

Smt. Ram Bhateri was celebrated for her brave spirit, gentle wisdom, and boundless love. She raised her family with strength and compassion, imparting values rooted in integrity and affection across generations. Her warmth touched everyone who had the honor of knowing her. Though she has departed from this world, her blessings, teachings, and memories will forever remain etched in our hearts.

She is survived and will be deeply remembered by:

- Son: Lt Col Niranjn Singh Gehlawat (Retd), Director Contracts
- Daughter-in-law: Smt. Santosh Kumari, Sanskrit Lecturer (Retd)
- Grandchildren: Mr. Prince Gehlawat & Maj. Shailli Gehlawat
- Granddaughter-in-law: Mrs. Preeti Rana, Manager, SBI
- Grandson-in-law: Maj. Abhishek Singh Thakur
- Great-grandchildren: Advaita, Advik & Tejas

She will be lovingly remembered and profoundly missed by the entire Gehlawat, Sheoran, Rana, and Thakur families.

For condolences, please contact:

- +91 9530758981
- +91 9050889557

ॐ OM SHANTI ॐ



बोल्ड कैसल अमेरिका

बोल्ड कैसल एलेक्जेंड्रिया बे, न्यूयॉर्क में हार्ट आइलैंड पर स्थित एक शानदार ऐतिहासिक महल और लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है। इसे जॉर्ज सी बोल्ड ने अपनी पत्नी लुईस के लिए, अपने प्यार की निशानी के तौर पर बनवाना शुरू किया था। लेकिन लुईस के निधन के बाद यह अधूरा रह गया। यह एक छह मंजिला, 120 कमरों वाली राइनलैंड शैली की संरचना है, जिसमें सुरंगें, इटालियन उद्यान, एक ड्रॉब्रिज और एक ओपेस्टर टॉवर नामक बच्चों का प्लेहाउस भी है। इसका निर्माण 1900 में शुरू हुआ था, लेकिन जनवरी 1904 में लुईस की अचानक मृत्यु के बाद, जॉर्ज बोल्ड का मन टूट गया। फिर उन्होंने इसे अधूरा छोड़ दिया। लेकिन यह अधूरा स्मारक, प्रेम की निशानी के तौर पर दुनिया भर में जाना जाता है।

शैटो डी चेनोसो फ्रांस

महिलाओं का महल कहे जाने वाले इस महल की दीवारों में कई प्रेम कहानियां और रानियों के किस्से छिपे हैं। शैटो डी चेनोसो को अक्सर 'प्यार और प्रतिद्वंद्विता की निशानी' के रूप में देखा जाता है। इसकी कहानी एक प्रसिद्ध शाही प्रेम त्रिकोण से संबंधित है। दरअसल, वर्ष 1547 में फ्रांस के राजा हेनरी द्वितीय ने इस महल को अपनी प्रेमिका डायने डी पोइटियर्स को उपहार स्वरूप दिया था, जिसे वह गहरा प्रेम करते थे। डायने ने ही शेर नदी पर वह प्रसिद्ध मेहराबदार पुल बनवाया था, जो आज इस महल की सबसे बड़ी पहचान है। लेकिन हेनरी की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रानी कैथरीन डी मेडीसी ने ईर्ष्यावश डायने को इस महल से निकाल दिया और खुद इस पर कब्जा कर लिया।

जूलियट का घर इटली

इटली देश के वेरोना में स्थित 'कासा डी गियुलियट्टो' विलियम शेक्सपियर के पात्रों रोमियो और जूलियट के अमर प्रेम की याद दिलाता है। जूलियट का घर कासा डी गियुलियट्टो, 13वीं सदी

वेगिसाल / शिखर चंद्र जैन

दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर प्रेम के ऐसे स्मारक मौजूद हैं, जो अमर प्रेम की कहानियों के गवाह हैं। ये ऐतिहासिक स्मारक न केवल अब विश्व धरोहर माने जाते हैं, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं। प्रेम को समर्पित ये शानदार निशानियां, हर प्रेमी युगल को प्रेरित भी करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अद्वितीय-लाजवाब-शानदार विश्व प्रसिद्ध प्रेम के स्मारक

की एक ऐतिहासिक इमारत है। यह प्रसिद्ध 'रोमियो और जूलियट' नाटक से प्रेरित एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जहां आंगन में आइकॉनिक बालकनी और जूलियट की कांस्य मूर्ति है। हालांकि जूलियट एक काल्पनिक पात्र है, लेकिन यह घर रोमांस के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। जूलियट की मूर्ति के बारे में ऐसी मान्यता है कि मूर्ति के दाहिने हाथ को छूने से प्यार में सौभाग्य मिलता है।

कोरल कैसल अमेरिका

आपको जानकर हैरानी होगी कि एक अमेरिकी व्यक्ति एडवर्ड लीडस्कैलिन ने अपनी प्रेमिका के लिए कोरल कैसल नामक भवन खुद ही अकेले बनाया था। यह उसके प्रेम की अदृष्ट शक्ति को दर्शाता है। फ्लोरिडा के होमस्टेट में स्थित कोरल कैसल एक रहस्यमयी पत्थर का ढांचा है, जिसे लैटिन अमेरिकी प्रवासी एडवर्ड लीडस्कैलिन ने 1923-

1951 के बीच अकेले बनाया था। 1,100 टन से अधिक कोरल चट्टान से निर्मित, इस संरचना में तराशे गए कई बड़े पत्थर, दीवारें और फर्नीचर शामिल हैं, जिसे 'फ्लोरिडा का स्टोनहेंज' भी कहा जाता है। एडवर्ड का कद मात्र 5 फीट और वजन 100 पाउंड था, फिर भी उन्होंने बिना किसी आधुनिक मशीनरी के लगभग 1,100 टन वजनी पत्थरों को काटकर और तराशकर यह महल खड़ा किया था। उन्होंने यह काम लगभग 28 वर्षों तक गुप्त रूप से किया। दरअसल, अपनी मंगेतर (एग्नेस) द्वारा शादी से एक दिन पहले रिश्ता तोड़ देने के बाद, टूटे दिल के साथ एडवर्ड ने इसे एक प्रेम स्मारक के रूप में बनाया था।

एलेनोर क्रॉसेस इंग्लैंड

एलेनोर क्रॉसेस, 13वीं शताब्दी के अंत में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड प्रथम द्वारा अपनी पत्नी एलेनोर ऑफ कैस्टिल की याद में बनवाए गए 12 क्रॉस मेमोरियल हैं। वर्ष 1290 में एलेनोर की मृत्यु के बाद, दुःखी होकर राजा ने उनके अंतिम संस्कार की यात्रा के दौरान लंदन से लंदन के बीच प्रत्येक पड़ाव (रात्रि विश्रामस्थल) पर पत्थर के ये भव्य क्रॉस बनवाए थे। इनमें से अब केवल तीन- गॉडगटन, हार्डिंगस्टोन और वाल्थम, मूल रूप में बचे हैं। *

सबसे अनोखा ताजमहल-शालिमार बाग

शालिमार बाग को मुगल बादशाह जहांगीर ने 1619 में अपनी पत्नी नूरजहां के लिए बड़े मन से बनवाया था। शालिमार बाग, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित एक प्रसिद्ध मुगल गार्डन है, जिसे श्रीनगर का ताज भी कहा जाता है। यह बाग चहार बाग शैली पर आधारित है और तीन खतों में विभाजित है, जो जल निकासी और फव्वारों से सुसज्जित है। यहां मौजूद चिह्नार के पेड़, रंग-बिरंगे फूल, दीवान-ए-ख़ास और दीवान-ए-आम जैसे मंडप, पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह डल झील के दाहिने किनारे पर स्थित है और युनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल है।

अपने देश भारत में भी प्रेम की दो वेगिसाल निशानियां मौजूद हैं।

मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनाया गया सफेद संगमरमर का मकबरा ताजमहल, दुनिया में प्यार का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। ताजमहल, भारत ही नहीं दुनिया भर में निरसंदेह 'प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी' माना जाता है। इसका निर्माण 1631 में शुरू हुआ और 1653 में पूरा हुआ। इसे बनाने में लगभग 22,000 मजदूरों और शिल्पकारों ने काम किया था। इसे राजस्थान के मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बनाया गया, जिस पर कौमती पत्थरों की पत्थीकारी की गई है।



आमतौर पर माना जाता है कि अगर आप सिंगल हैं यानी आपको कोई लव या लाइफ पार्टनर अब तक नहीं है तो वैलेंटाइन-डे आपको मायूस कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप अलग अंदाज में अपने साथ ही वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं।

सिंगल हैं तो क्या हुआ खुद के साथ करें सेलिब्रेट

हुआ? आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। इसमें गम मनाने की तो कोई बात नहीं। सिंगल के गुण को ज्यादा न करें और अपने सिंगल हूड को एंजाय कर लें।

शादीशुदा भी तो खुश नहीं

अगर आपने अभी तक शादी नहीं की या किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं तो उनके बारे में सोचो, जो कपलस शादी करके भी अक्सर परेशान रहते हैं। उनसे पूछकर देखें तो वो बताएंगे कि जिन हालात में वो हैं, इससे तो अच्छा था वो शादी ही न करते। इस तरह अपने सिंगल हूड को अपनी उन्नति के लिए एक बड़ी उपलब्धि समझते हुए उसे एंजाय करें। आप जो हैं, जैसे हैं, उसी में संतुष्ट रहें।

अकेले होने का गम कैसा

आजकल ऐसे तमाम युप और क्लब हैं, जहां सिंगल लोग एक-दूसरे के साथ को एंजाय करते हैं। वे आपस में मिलकर पार्टी करते हैं या कहीं घूमने का प्रोग्राम बनाते हैं यानी सिंगल हूड कोई कमी होने का पर्याय नहीं है। आप अपने आपको किस रूप में देखना चाहते हैं, यह ज्यादा अहम है। हमें अपने आसपास ऐसे तमाम पुरुष और महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने मन से सिंगल रहना चुना है। वे अकेले रहकर अपनी जिंदगी को बहुत ही अच्छे तरीके से जी रहे हैं। इसलिए सिंगल हूड के कई फायदे होते हैं, इसे भी समझें।

सोच समझकर बनाएं रिलेशन

आपके सर्कल में रहने वाले लड़के या लड़कियां अगर सभी किसी न किसी रिलेशनशिप में हैं और आप उनमें अकेले सिंगल हैं, तो अगर वे जबदस्ती आपको किसी के साथ रिलेशनशिप में आने, डेटिंग संबंधी सलाह देने या जबदस्ती किसी के साथ इनवॉल्व करने की कोशिश करें तो ऐसे लोगों से दूरी बना लें। क्योंकि सिंगल होने का मतलब किसी की दया का पात्र होने का नहीं है, जो लोग सिंगल होने को कमतर या बदकिस्मती समझ लेते हैं, उन्हें यह जता दें कि आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। किसी के साथ बुरे रिलेशनशिप में रहने से सिंगल होना आपको ज्यादा दिमागी सुकून देता है। प्यार का रिश्ता भले ही देर से बने लेकिन यह रिश्ता प्यारा, मजबूत और समझदारी से भरा होना चाहिए। *

अलग नजरिया नगता नदीम

हर वर्ष 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन-डे पर सोशल मीडिया कपलस की तस्वीरों से भरा रहता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, उन्हें यह दिन काफी चुभता है, इस दिन उन्हें अकेलेपन की पीड़ा भीतर तक सालती है। अगर आपका भी कोई पार्टनर नहीं है, आप खुद को अधूरा महसूस करते हैं तो यह सोच सही नहीं है। हम आपको बताते हैं कि कैसे अपने अकेलेपन को दूर कर, यह दिन मना सकते हैं?

खुद से ही प्यार करें

अगर आपके साथ कोई सखी न हो तो खुद को ही अपना वैलेंटाइन बनाएं। खुद को गिफ्ट करें। अकेले जाकर किसी रेस्टोरेंट में खुद को ट्रीट दें। दूसरे लोगों को एक साथ देखकर उनसे अपनी तुलना करके परेशान न हों। इससे अगर कोई आपके साथ न भी हो तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

क्या हुआ जो बैचलर हैं

अगर आपने अभी तक शादी के लिए किसी का चुनाव नहीं किया या कोई ऐसा पार्टनर आपको नहीं मिला, जिसके साथ आप जीवनभर चलने का संकल्प ले सकें, तो क्या



कि एक दूसरे के गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हों। आप भी इस तरह किसी से दोस्ती करके उस दोस्ती को भी एंजाय कर सकते हैं। जो टीनएजर अपने सिंगल हूड स्टेटस को लेकर परेशान होते हैं, उन्हें अपने करियर पर फोकस करने की ज्यादा जरूरत है। क्योंकि यही वह उम्र है, जब किसी से रिलेशनशिप में रहकर अपने जीवन में तनाव पालने की बजाय करियर पर फोकस करना भविष्य के लिए ज्यादा अच्छा होता है।

सिने-ट्रेंड अशोक जोशी

जब से हिंदी फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ है, फिल्मकारों का सबसे प्रिय विषय प्रेम ही रहा है। अधिकांश फिल्मों में किसी न किसी रूप में प्रेम मौजूद रहता ही है। लेकिन कई ऐसी माइलस्टोन फिल्मों भी बनी हैं, जो ऐतिहासिक या लोकचर्चित पात्रों की प्रेमकथाओं पर आधारित रही हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

खूब पसंद की गई ऐतिहासिक प्रेम कहानियां

हमारे यहां ऐसे कई ऐतिहासिक पात्र हुए हैं, जिनकी प्रेमकथाएं पढ़ें पर ज्यादा सफल हुई हैं। इस क्रम में सबसे ज्यादा सफल फिल्म के आसिफ की 'मुगले आजम' को माना जाता है। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर, दिलीप कुमार ने सलीम और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका में जान डाल दी थी। भव्य सेट, दिलचस्प संवाद और कर्णप्रिय गानों के बल पर यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में शामिल है। इसी के आसपास बनी 'अनारकली' में प्रदीप कुमार और बीना राय ने अभिनय किया था। सी. रामचंद्र ने इसके लिए मधुर संगीत रचा था। यह फिल्म भी सफल रही। मुगलकाल के एक और प्रेम प्रसंग पर आधारित 1963 में बनी फिल्म 'ताजमहल' शाहजहां और मुमताज महल के प्रेम पर आधारित थी। इस रंगीन फिल्म में विशेषता रोशन का मधुर संगीत था। इसके गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' और 'पांव चू लेने दो' आज भी बहुत पसंद किए जाते हैं। इसके बाद आशुतोष गोवारीकर ने फिल्म 'जोधा-अकबर' में अकबर और जोधाबाई की प्रेमकहानी को पढ़ें पर उतारा। साठ और सत्तर के दशक में ऐतिहासिक प्रेम कथाओं पर आधारित जो श्वेत-श्याम फिल्में बनीं उनमें मांडू के अंतिम सुलतान बाज बहादुर और एक गड़रिया की गाथिका बेटी रूपमती की प्रेमकथा पर आधारित 1957 की फिल्म 'रानी रूपमती' में भारत भूषिका और निरुपा राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी तरह फिल्म के राजा चंद्रगुप्त और ग्रीस की हेलेना की युद्ध के बाद प्रेम में बदली कहानी पर 1959

कहानी पर आधारित फिल्म 'रजिया सुल्तान' का दो बार निर्माण हुआ। 1961 में जयराज और निरुपा राय मुख्य भूमिकाओं में थे तो 1983 में बनी 'रजिया सुल्तान' को धर्मेन्द्र और हेमामालिनी की जोड़ी के लिए जाना जाता है। मगध के राजा बिंबसार और वैशाली की नगरवधु आम्रपाली की प्रेम कहानी पर आधारित लेख टंडन की फिल्म 'आम्रपाली' में सुनील दत्त और वज्रयंती माला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने कर्णप्रिय थे, इसके बावजूद यह फिल्म नहीं चली। इसी तरह ऐतिहासिक प्रेमकथाओं पर आधारित 'नूरजहां', 'यहूदी' भी नहीं

अपने आरंभिक काल से ही प्रेम आधारित कहानियों पर हिंदी फिल्में बनती रही हैं। बदलते समय और दर्शकों की पसंद के अनुसार ऐतिहासिक और लोकचर्चित प्रेम कहानियों का फिल्मी रूपांतरण होता रहा है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मी पढ़ें पर खूब दिखती रही हैं ऐतिहासिक-लोकचर्चित प्रेमकथाएं



'आम्रपाली' में सुनील दत्त के साथ वज्रयंती माला



'मुगल-ए-आजम' में दिलीप कुमार-मधुबाला

में बनी फिल्म सम्राट 'चंद्रगुप्त' में भी भारत भूषण और निरुपा राय की जोड़ी थी। सन 1946 में पृथ्वीराज कपूर और मीना कुमारी अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज संयोगिता' बनी थी। जो इनके प्रेम पर आधारित थी। वर्ष 2022 में यशराज फिल्मस ने अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' का निर्माण किया था। रजिया सुल्तान और याकूत की प्रेम

चल पाई। सन 1984 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'उत्सव' प्राचीन संस्कृत नाटक 'मुच्छकटिकम्' पर आधारित थी। इसमें वसंत सेना (रेखा) और एक गरीब ब्राह्मण चारुदत्त (शेखर सुमन) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया। इसका निर्माण शशि कपूर ने और निर्देशन गिरिश कर्नाड ने किया था। हालिया बरसों में संजय लीला भंसाली की मराठा पेशवा बाजीराव और बुंदेलखंड की राजकुमारी मस्तानी की प्रेम कहानी पर आधारित 'बाजीराव मस्तानी' ने सफलता के झंडे गाड़ दिए थे।

लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में

'लैला-मजनु', 'हीर-रांझा', 'सोहनी-महिवाल', 'शेरी-फरहाद' ऐसी लोक कहानी पर आधारित फिल्में 'दोला-मारू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर 'हीर रांझा' का निर्माण किया था। कहने का सार है कि इतिहास, पुराणों और लोक संस्कृति में प्रसिद्ध प्रेमकथाओं पर फिल्मों का निर्माण हमेशा से होता रहा है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन्हें दर्शक खूब पसंद भी करते हैं। *

चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनु' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में



'हीर रांझा' का निर्माण किया था।